शिक्षा मंत्री की स्वैच्छिक निधि से वित्तीय सहायता ?

747. श्री प्रताप सिंह नेगी : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन विद्यार्थियों (लडको और लड़कियो) के नाम क्या है जिन्हें वर्ष 1968 से शिक्षा मंत्री स्वैच्छिक निधि से वित्तीय सहायता दी जाती है, और

(ख) उत्तर प्रदेश के गढ़वाल जिले के ऐसे विद्यार्थियो के नाम क्या है जिन्हें वर्ष 1968 से वित्तीय सहायता दी जा रही है और उनमे से प्रत्येक विद्यार्थियो का कितनी सहायता दी गई है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री और संस्कृति विभाग मन्त्री (श्री सिद्धार्थ शंकर राय) : (क) और (ख) . दो विवरण, जिनमे अपेक्षित सूचना दी गयी है, सभा पटल पर रख दिये गये है। (ग्रन्थालय मे रख दिये गये- देखिये संख्या LT-246 171)

पब्लिक स्कूल

748. श्री प्रताप सिंह नेगी . क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 8 अप्रैल, 1971 को भाषण देते हुए केन्द्रीय सरकार के एक मंत्री ने कहा था कि देश में सभी पब्लिक स्कूल बन्द कर दिये जाने चाहिए ;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध मे केन्द्रीय सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि अधिकांश पब्लिक स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है ;

(घ) क्या सरकार का विचार सभी पब्लिक स्कूलों तथा सरकारी स्कूलों मे शिक्षा का माध्यम एक ही भाषा रखने का है ; और

(ङ) यदि हां, तो कब तक और यदि नही, तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) और (ख) . विवरण संलग्न है।

(ग) जी हां।

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नही उठता।

विवरण

(क) शायद माननीय सदस्य का आशय रक्षा मंत्री द्वारा हाल ही मे दिए गए भाषण के बारे मे समाचार पत्रों मे प्रकाशित रिपोर्ट से है। तथापि प्रैस रिपोर्ट पूर्णतया ठीक नही है। रक्षा मंत्री ने यह कहा था कि पब्लिक स्कूलों को या तो समाप्त कर दिया जाना चाहिए या इन्हें योग्यता के आधार पर सभी के लिए खोल दिया जाए। शिक्षा मे वर्ग पद्धति नही होनी चाहिए।

(ख) पब्लिक स्कूलों सहित सभी विशेष स्कूलों के प्रति सरकार के दृष्टिकोण का उल्लेख राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1968) मे किया गया है, अर्थात् पब्लिक स्कूलों सहित सभी विशेष स्कूलों मे छात्रों का दाखिला योग्यता के आधार पर किया जाना चाहिए और सामाजिक वर्गों के पृथक-करण को बचाने के लिए पूरी फीस माफी का अनुपात विहित कर देना चाहिए। परन्तु इससे